M.A. Examination, 2019
Semester-II
Hindi
Course : VI
(कथा साहित्य)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 2×8=16

   क) मोटे वह होते हैं, जिन्हें न रिन का सोच होता है, न इज्जत का। इस जमाने में मोटा होना बेहयाई है। सौ को दुषला करके तब एक मोटा होता है। ऐसे मोटेपन में क्या सुख? सुख तो जब है कि सभी मोटे हों।

   ख) वहुत छुटपन से ही मैं स्त्री का सम्मान करना जानता हूँ। साधारणतः जिन स्त्रियों को चंचल और कुलभ्रष्टा माना जाता है, उनमें एक द्वैवी शक्ति भी होती है, यह बात लोग भूल जाते हैं। मैं नहीं भूलता। मैं स्त्री-शरीर को देव-मन्दिर के समान पवित्र मानता हूँ।

   ग) स्नेह एक ऐसा चिकना और परिव्यापक भाव है कि उसमें व्यक्तित्व नहीं रहते। स्नेही अपने स्नेह-पात्र को कभी याद नहीं करता, क्योंकि वह उसे कभी भूलता नहीं, वह उससे इतना अभ्यस्त हो जाता है कि उसे कभी ध्यान नहीं होता कि इसे भी देखूँ, इसे देखने के लिए एक अलग, एक विशिष्ट प्रयत्न करूँ।

   घ) मैं फिर काम शुरू करुंगा—यहीं, इसी गाँव में। मैं प्यार की खेती करना चाहता हूँ। आँसू से भीगी हुई धरती पर प्यार के पौधे लहलहायेंगे। मैं साधना करुँगा, ग्रामवासिनी भारतमाता के मैले आँचल तले।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए– 2×12=24

   क) 'गोदान' उपन्यास के शहरी-कथानक के औचित्य की समीक्षा कीजिए।

   ख) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के जीवन-दर्शन को स्पष्ट कीजिए।

   ग) शेखर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

   घ) सिद्ध कीजिए कि 'मैला आँचल' में 'फूल भी हैं, शूल भी।'

   ङ) 'वाङचू' कहानी की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।